E-mail- manvadhikar.abhivyakti@gmail.com http://manvadhikarabhivyakti.webs.com मुम्बई . ठाणे .नवी मुम्बई से प्रकाशित 26 सितंबर 2014 दिन. शुक्रवार .

संपादक :- रवि जी . निगम

निडर . निष्पक्ष . निर्भीक आपकी अभिव्यक्ति

साप्ताहिक

मानवाधिकार अभिव्यक्ति

वर्ष- 1. अंक- 1.
पृष्ठ - 8, सहि. राशि - ₹ -1/-

हिन्दी समाचार पत्र

अन्याय, अपराध, भ्रटाचार और बाल श्रम व महिला उत्पीडन के खिलाफ जंग ।

मंगल पर मंगलयान की मंगलमय शुरूवात

चीन को पछाड़ पहला एशियाई देश बना भारत!

नई दिल्ली इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाईजेशन (इसरो) ने अभूतपूर्व ऐतिहासिक सफलता हासिल की अव भारत विश्व का वो पहला देश वन गया है जिसने पहली वार में ही अपना मंगल ग्रह में ऑरबिटर को स्थापित करने में सफलता हासिल की है, इस यान ने ६५ हजार किलो मीटर की दूरी तय की, इससे पहले तीन देश और भी कामयाव रहे, लेकिन अमेरिका भी इस परिक्षण में छः नाकाम कोशिशों के वाद ही सफल हो पाया था, अव भारत का नाम भी विश्व के चौथे देश के रूप मे सुमार हो गया, भारत वो पहला एशियाई देश वन गया है जिसका मंगल पर पहला ऑरबिटर स्थापित हुआ है, इस सफल परिक्षण के अन्तिम दौर पर प्राधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिती रही, वो ऐसे स्वर्णिम अवसर पर इसरो के वैज्ञानिकों के साथ इसरो सेंटर पर ही मौजूद थे, इसकी सफलता की वधाई सवसे पहले उन्होने वैज्ञानिकों को दी साथ ही वो जनता से ये अपील करने से नही चूके कि इस कामयावी का जश्न सारे देशवाशियों को मिलकर मनाना चाहिये साथ ही साथ क्रिकेट के जश्न से ये हजार गुना वड़ा जश्न वताया, वही कॉग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने इसे यूपीए से जोड़ते हुए वोला कि प्रधानमंत्री जी को यूपीए को भी इसका श्रेय देना चाहिये ।

लांच हुआ मोदी का 'मेक इन इंडिया'

बोले 'FDI' का मतलब "फर्स्ट डवलप इंडिया"

नई दिल्ली मोदी मिशन 'मेक इन इंडिया' की शुरूवात नवरात्रि के शुभ अवसर पर या अमेरिका जाने से पूर्व एक नई रणनीति फिलहाल सरकार वदली तो सायद लगता है कि नजरिया भी वदल रहा है मोदी जी का भी सायद 'FDI' को लेकर नजरिया वदला हुआ ही नजर आता है सायद वीजेपी का भी वदला होगा कैसे भी हो देशवासियों की किस्मत वदलनी चाहिये, ये शुभ शुरूवात है लेकिन नई वोतल में वही पुरानी . .

काडर बेस पार्टी में "सेना" अव्वल , समकक्ष राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी !

महाराष्ट्र में क्षेत्रप पार्टीयाँ ही सरकार वनाने की स्तिथि में मजवूत दावेदार जिसमें सेना को सवसे मजवूत दावेदारों के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि सेना ही वो पार्टी है जिसका काडर सवसे मजवूत है, जिसकी सरकार वनाने में सवसे अहम भूमिका की भी सवसे मजवूत दावेदारी मानी जा सकती है लेकिन जिसके लिये उसे कुछ कड़े फैसले लेने की जरूरत थी,मौजूदा समय के हालातों को मध्येनज़र रख कर देखा जाये तो सेना अकेले अपने दम पर सरकार वना सकती है,क्योंकि भाजपा का काडर इतना शक्तिशाली नही है जितना कि सेना का, लोकसभा में भले ही भाजपा ने मैदान मारा हो लेकिन आज की वदलती परस्थितियों को देखकर यदि विचार किया जाये या उसका आकलन किया जाये तो सेना पहले पॉयदान पर खड़ी दिखती है क्योंकि सेना का हर कार्यकर्ता अपने आपको पार्टी का एक मजवूत स्तभं मानता है और तन और मन से कार्य भी करता है, हैशियत के मुताबि धन से भी पार्टी के विस्तार के लिये काम करता है,लेकिन उसके पीछे एक वड़ी वजह है क्योंकि पार्टी के एक वार्ड स्तर के कार्यकर्ता की भी अपनी एक पहचान है और पार्टी में उसका एक स्थान है साथ ही उसके कार्य के मुताविक या योगदान के मुताविक उसे उतनी अहमियत भी दी जाती है यही कारण है कि उसका हर एक कार्यकर्ता अपने आपको गर्व के साथ कहता है कि मैं शिव सैनिक हूँ। क्षेत्रप पार्टियों में राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी . . ? शेष अगले अकं में . .

देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिये करें,

विषेश योगदान !

मतदान करके, करें अपने कर्तव्य का निर्वाहन !!

मानवाधिकार अभिव्यक्ति, आपकी अभिव्यक्ति . . .

"जव जन-जन में विश्वास जगेगा तभी देश विकास करेगा, जन जागृति की क्रान्ति लाना है देश को सवल और समृद्ध वनाना है"

सर्व देवी भक्तो को **नवरात्री की हार्दिक शुभेच्छा**

राष्ट्र नायक लोकमान्य वाल गंगाधर तिलक "जन जागृति" अभियान

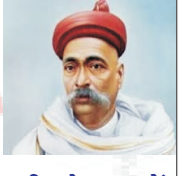

(श्रमिक उत्थान एवं सामाजिक कल्याणकारी असोसिएशन द्वारा आयोजित)

असंगठित श्रमिकों एवं महिला श्रमिकों व आम जनता के लिये चलायी जा रही लाभकारी सरकारी योजनाओं जनमानस के सेवा हेतु विना मूल्य समाज सेवा एवं जनमानस के हितों के लिये मुफ्त मार्गदर्शन

-: योजनायें व मार्गदर्शन :-

ये आपका हक है जिसे पाने का आपको "अधिकार" है इसे दिलाने में संस्था करेगी आपकी मदद

वरिष्ठ नागरिक कार्ड . असंगठित मजदूर पेन्शन व वीमा संजय गांधी निराधार योजना . प्रधानमंत्री रोजगार योजना वृद्धा पेन्शन . विधवा पेन्शन . अन्य लाभकारी योजनायें .

पेन कार्ड . रेशन कार्ड . जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र . कानूनी या अकाउन्टेनसी मार्गदर्शन . आय प्रमाण पत्र . जाति प्रमाण पत्र . आधार कार्ड . वोटिंग लिस्ट में नाम व पता संसोधन तथा नाम अंकित करवाना इत्यादि सम्वंधित मार्गदर्शन .

आओ मिलकर भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त, सुन्दर, सुशिक्षित, सवल और समृद्ध भारत का निर्माण करें।

संस्था के सदस्य वनने के लिये अपना वॉयो डाटा इस मेल आई . डी . पर भेजे:- E-MAIL-sun.socialwellfareasso@gmail.com

सौजन्य से:- रोहिणी इन्टरप्राइजेज (सिव्हिल एंव इलेक्ट्रिकल्स वर्क) संम्पर्क करें - ९७७३३३१८७६ . ९६१९९७६७७७ . ९००४७६१७७७ .

संस्था द्वारा आप से आग्रह :- प्रिय अनुदान दाताओं , विज्ञापन दाताओं , अभिकर्ताओं , सुधि पाठकों व सभी संमानित जनों, संस्था आपको विश्वास दिलाती है, कि आपका वहुमूल्य सहियोग निरर्थक नही जायेगा, संस्था अपने समाचार पत्र "मानवाधिकार अभिव्यक्ति" के माध्यम से सभी ज्वलंत समस्याओं ,भ्रष्टाचार व अपराध व अन्याय का पुरजोर विरोध ही नही अपितु निष्पक्षता और निडरता के साथ इनके खिलाप पुरजोर आवाज वुलंद करेगी और उचित न्याय दिलाने के लिये कटिवद्ध है । तथा इस पत्र का कोई मूल्य नही है इसे गरीव वयोवृद्ध व विकलांग जनों, विधवाओं / असहाय महिलाओ वितरकों की सहायता मात्र के लिये सहियोग राशि .१/- निर्धारित की गयी है जो वितरकों व इससे संवधित जनों को प्राप्त होगा, जो आप तक पत्र पहुँचाने के कार्य में सहियोग प्रदान करेंगें ।

आपके सहियोग का आभारी। धन्यवाद-

श्रमिक उत्थान एवं सामाजिक कल्याणकारी असो . (भारत)

रवि जी . निगम (संस्थापक / अध्यक्ष)

श्रमिक उत्थान एवं सामाजिक कल्याणकारी असो.का प्रयास सरकार से गैस उपभोक्ताओं को मिली थी राहत !

मुम्वई विगत दिनों पूर्व गैर सरकारी संगठन श्रमिक उत्थान एवं सामाजिक कल्याणकारी असोसिएशन द्वारा केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री से आर टी आई के माध्यम से कुछ सवालों के जवाव जनहित में मांगे गये थे, जिनमे से एक सवाल कुछ इस प्रकार से था कि क्या जिस प्रकार से आपके विभाग द्वारा इतनी अच्छी पॉलिसी लायी गयी, तो क्या उसे और भी कारगर वनाने की जरूरत नही थी जिससे देश की गरीव मध्यमवर्गीय जनता को और भी लाभ दिया जा सकता था उसके भाव को कम करके, क्योंकि सरकार की इस नीति को नीति नही राणनीति कहा जायेगा, क्योंकि इस रणनीति का लाभ वस सिर्फ वस सरकार को और सरकार के माध्यम से गैस कम्पनियों को ही फायदा हुआ है ना कि जनता को, वल्कि एक तरफ से इससे तो जनता का नुक्सान ही हुआ है कि पहले २१ दिनों के वाद दूसरा सिलेन्डर मिल जाताा था अव १ महिने के वाद ही दूसरा सिलेन्डर मिलेगा, वो भी यदि किसी को एक महिने पहले ही दूसरा सिलेन्डर लगता है तो उसे विना सव्सिडी वाला सिलेन्डर ही लेना पड़ेगा, तो ये वताया जाय कि इससे जनता का फायदा हुआ कि नुक्सान, संगठन के इस सवाल का या अन्य कई सवालों के जवाव तो मंत्रालय ने नही दिये, लेकिन आनन फानन में चुनाव को मध्ये नजर रखते हुए केन्द्र सरकार ने ये स्पष्ट कर दिया कि गैस उपभोगता अव जरूरत पड़ने पर एक से अधिक सिलेन्डर ले सकेगें ये प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में कैविनेट की वैठक में पेट्रोलियम मंत्री के प्रस्तावना को मंजूरी दी गई, कुछ महिने पहले राजनीतिक मामलों की मंत्रीमण्डलीय परिषद सीसीपीए की वैठक में ९ सिलेन्डर से वढ़ा कर १२ सिलेन्डर किया गया था, जिसके अन्तर्गत १माह में सिर्फ एक ही सिलेन्डर देने की वात कही गयी थी, तव से जनता के वीच ये सवाल उठा था कि यदि जिसको १माह के भीतर ही दूसरा सिलेन्डर लगता है, तो उस गरीव जनता का क्या होगा तव तो उसे विना सव्सिडी वाला ही सिलेन्डर लेना पड़ेगा, ये तो जनता के साथ धोका जैसा था लेकिन कैविनेट के फैसले के वाद ये साफ कर दिया गया कि यदि सिलेन्डर वुकिंग के २१ दिनों के वाद किसी को दूसरे सिलेन्डर की जरूरत लगती है, तो वो सव्सिडी वाला दूसरा सिलेन्डर भी ले सकेगा लेकिन सव्सिडी वाले सिलेन्डरों की संख्या १२ ही रहेगी उसमें कोई वृद्धि नही होगी, जवकि इसका विरोध वित्त मंत्रालय और तेल कम्पनियॉ भी कर रही थीं, लेकिन इसके लाख विरोध के वाद भी ये निर्णय सरकार को वध्य हो कर लेना ही पड़ा, क्योंकि ये जनहित से जुड़ा हुआ मसला था,लेकिन कुछ भी हो कांगेस सरकार का ये फैसला सराहनीय था, इसमें दो राह नही की मंत्रालय और तेल कम्पनियों की लाख नारजगी रही हो लेकिन अव सरकार और पार्टी दोनों ही वदल गयी हैं अव सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के काम काज का तरीका भी वदलेगा क्या? संगठन को अभी भी अपने कई अहम सवाल के जवाव की दरकार है, जैसे कि क्या तेल कम्पनियों को कांट्रेक्ट मिल जाने के वाद, क्या वो मालिक वन जाती हैं और वकौल सरकार उस पर नियंत्रण कुछ भी नही रह जाता है,और सरकार का क्या दायित्व भी खत्म हो जाता है, क्या वो सारे फैसले लेन के लिये स्वतंत्र हो जाते है, क्या कॉट्रेक्ट के नियम की भी अनदेखी की जा सकती है और वकौल सरकार कुछ भी नही कर सकती है, क्या इसके लिये कार्यवाही का प्रावधान भी नही है, क्या इन कंपनियों का ऑडिट भी कराया गया है, क्या कोई निष्पक्ष जांच कमेटी इसके लिये वनाई गयी है जो इन पर निगरानी रख सके व साथ ही जो भी कंपनियॉ नियम के या करार के विरूद्ध भाव में वृद्धि करती है तो क्या उनका लाईसन्स या करार तत्काल प्रभाव से रद्द नही किया जाना चाहिये, इससे जुड़े कई अन्य सवालों के जवाव सरकार द्वारा देना वाकी है, मंत्रालय द्वारा आर टी आई के धारा ६(३) के अन्तर्गत कार्यवाही जारी है, जिसके माध्यम से कुछ विभागों ने तो नियमों का हवला देकर जवाव देने से वचने की कोशिस की है, कुछ सवालों के जवाव भी दिये गये हैं, संस्था का सवसे अहम सवाल तो ये है कि क्या जिस तरह से गैस वितरण में सव्सिडी दी जाती है, तो क्या उसी तरह पेट्रोल में वितरण का प्रावधान नही किया जा सकता है, संस्था ने अपने इस सवल के माध्यम से सरकार को एक सुझाव प्रस्तुत किया है, कि क्या पेट्रोल के लिये भी एक अच्छी पॉलिसी नही लायी जा सकती है, कि जिस आधार पर गैस सिलेन्डर का वितरण किया जाता है। शेष अगले अंक में . .

एटीएम नम्बंर और पासवर्ड देकर ठगों की मार का हुआ शिकार !

ठाणे(मुम्वई) ज्ञानेश्वर नगर निवसी संतोष खाण्डेकर नामक व्यक्ति उम्र ४३ वर्ष को अज्ञात मोवाईल नंवर से कॉल आयी कि मैं स्टेट वैंक से वोल रहा हूँ, आपका एटीएम कार्ड का नंवर वतायें और पिन कोड वतायें इसका वेरीफिकेशन किया जाना है,और पुराना पिन नंवर चेंज किया जाना है, लेकिन संतोष ने जव उससे ये जानना चाहा कि आपको मेरा नंवर कहाँ से मिला, तो उक्त व्यक्ति ने जवाव दिया कि आपका नंवर एअरटेल कंपनी से मिला है और हमें अथॉरिटी है, आपका पिन कोड चेंज करना है वकौल संतोष ने अपना एटीएम नंवर और पिन कोड उसे वता दिया, तभी उक्त व्यक्ति का जवाव आया कि आपका पुराना कोड चेंज हो गया है और नया कोड ४२९३ है और आपका फण्ड ट्रांसफर किया जा रहा है, उसका आपको एस एम एस आयेगा संतोष का कहना है कि जव ४ हजार के तीन एस एम एस आ गये तो मैने उसको पूँछा कि जव फण्ड वैंक को ट्रांसफर करना है तो पूरा अमाउण्ट एक वार में क्यों नही ट्रांसफर किया जा रहा है, इसके वाद उसे कुछ शक हुआ तो वो भागा-भागा वागले इस्टेट स्टेट वैंक की शाखा आया और सारी घटना वताई तो वैंक ने तुरंत उसका एटीएम व्लॉक कर दिया लेकिन एटीएम व्लॉक होने से पहले ही उसमे से रू.४९१००/- ठग उड़ा चुके थे। संतोष ने कुछ दिनों पूर्व अपनी पुरानी कंपनी छोड़ी थी जहाँ पर वो काम करता था,(ये ध्यान दिये जाने योग्य है) जिसका पी. एफ. का भुगतान लगभग सवा लाख रूपये उसे मिला था, संतोष के मुताविक उसके अकाउण्ट में मौजूदा समय में लगभग कुछ रू.५८०००/-शेष थे वाकी के रूपये उसने घर के जरूरी काम के लिये खर्च लिये थे, ये उसकी अपनी सारी जिन्दगी की कठोर मेहनत की गाढ़ी कमाई थी जिसे वो अपने सुनहरे भविष्य के लिये संजोकर रखे हुए था, वो इस वक्त सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा है, जिसकी शिकायत क्षेत्रीय ठाणे वागले स्टेट पोलिस स्टेशन ने दर्ज कर ली है और इसकी सूचना ठाणे पोलिस कमिश्नर ऑफिस के संवधित विभाग को दे दी गयी है, पोलिस ने उस अज्ञात मोवाइल नंवर के लोकेशन को ट्रेस कर लिया है, जिसकी लोकेशन चेंवूर वतायी गयी है, पोलिस का मानना है कि अपराधी जल्द उसकी गिरफ्त में होंगे।

एस वी आई वैंक कार्ड होल्डर सावधान-

इन दिनों इस तरह के अपराध आम हो गये हैं १५ दिनों के अन्दर मानवाधिकार एक्सप्रेस को ऐसी दो घटनायें ज्ञात हुई जिनमे ठगों ने एस वी आई वैंक के नामों का इस्तेमाल किया गया, दूसरी घटना भी ठाणे से ही है जो घटने से टल गयी, हुआ युँ कि ठगों ने जिसे शिकार करना चाहा वो उनसे भी शातिर दिमाग था या यूँ कहिये कि वो वुद्धिमान था जिसने अपने विवेक का पूरा इस्तेमाल किया, जव ठगों ने अनुराग सिंह को कॉल कर उससे उसके एस वी आई वैंक के एटीएम का नंवर ये कहकर मांगा कि उसे उसके एटीएम कार्ड का वेरीफिकेशन करना है तो अपने १६ अंको वाला नंवर वतायें लेकिन अनुराग सिंह का अकाउन्ट एस वी आई वैंक में न होने की वजह से उसने उल्टा उसे ये जवाव दिया कि मेरा अकाउन्ट एस वी आई वैंक में है ही नही, तभी उस ठग ने दूसरी वैंकों का नाम लिया तो अनुराग ने अपना अकाउन्ट वैंक आफ वड़ौदा में है स्वीकारा उसके स्वीकारते ही उस ठग ने उसके एटीएम का नंवर मांगा तभी अनुराग उस ठग के ऊपर भड़क उठा और भड़कते हुए वोला कि तुम्हे मै क्या वैवकूफ दिखता हूँ जो मैं तुमको अपना नंवर दे दूँ उसके वावजूद भी उस ठग ने वपस नंवर देने को कहा कि उसे उसके एटीएम कार्ड का वेरीफिकेशन करना है, तो अनुराग ने उसे गुस्सा करते हुए ये कहा कि अव दोवारा से फोन मत करना वरना मैं इस नंवर को पोलिस को दे दूँगा ,जव ठग ने ऐसा सुना तो वो अनुराग को चैलेन्ज करते हुए वोला कि इस नवंर को वो पोलिस को देदे चाहे कमिश्नर को देदे चाहे मंत्री या विधायक(आमदार),सांसद को दे दे उसका कोई कुछ नही विगड़ सकता है इस वात से तो ये माना ही जा सकता है कि इनका रैकेट कितना शक्तिशाली होगा जिसे किसी की भी परवह ही नही है कानून जैसे इनके जेव में पड़ा है वो कानून की भी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं कानून है कि उसे कुछ दिखाई ही नही देता है अपराधियों का जैसे वोल वाला हो गया हो, वो वेपरवाह होकर अपने शिकार पे शिकार खोजने में लगे हैं।

जवकि साईवर सेल का विभाग इसी के लिये वनया गया है उसके ववजूद अपराधी अपराध पे अपराध कर रहे है कानून का जैसे उन्हे भय ही नही है या तो कानून लचर है या फिर व्यवस्था , हर कोई इतना वुद्धमान नही होता है, कुछ संतोष खाण्डेकर जैस भी होते हैं जिनकी जिन्दगी भर की गढ़ी कमाई चन्द मिनटों मे ये संगठित ठग उड़ा देते हैं, संतोष के केश की स्तिथि इस वक्त किस मुकाम पर है ये तो संवन्धित महकमे को पता होगा अपराधी पकड़े गये या नही, पकड़े जायेंगे या नही कोई पता नही, जव तक शासन और प्रशासन अपना सख्त रूख नही अपनायेगा ये कारवाँ ऐसे ही चलता जयेगा और संतोष जैसे न जाने कितने मजलूम इनके शिकार होते रहेंगे।

- मानवाधिकार अभिव्यक्ति व्यूरो .

चुनाव की तारीख जैसे हुई जारी पार्टियों में वैसे ही खींचतान हुई जारी!

विगत दिनों पूर्व जैसे ही चुनाव आयोग ने २०१४ के विधान सभा के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया राजनैतिक दलों में सरगर्मियाँ और तेज हो गयी "सेना प्रमुख" उधव ठाकरे ने तो एक चैनल पर अपने वीते २५वर्षो की दुहाई भी दे डाली यहाँ तक उनका मानना है कि ये गठवंधन विश्व का एकमेव गठवंधन है जो इतने वर्ष पुराना है, लेकिन उनके वक्तव्य के मुताविक ये तो स्पष्ट हो रहा था कि गठवंधन को लेकर उनके मन में कुछ तो कशक् है ही और कुछ ठीक ठाक नही चल रहा है,लेकिन उन्होने ये भी स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री "सेना" का ही होगा, साथ ही जव उनसे ये सवाल पूँछा गया कि क्या अगले मुख्यामंत्री से वार्ता हो रही है तो दवे जुवानों में स्पष्ट किया कि वाला साहेव के वाद भी काफी चर्चा थी कि क्या मैं जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभा पाऊँगा वो मैनें कर दिखाया,यदि जिम्मेदारी मिली तो पीछे नही हटूँगा,मै वाला साहेव का वेटा हूँ।

Pro. Ashok mob.9892859058
Ashok Electronics
की ओर से
"मानवधिकार अभिव्यक्ति"समाचार पत्र के
उज्वल भविष्य की कामना एवं सभी देवी भक्तों को
"नवरात्री" के पावन पर्व की हार्दिक शुभेच्छा।
Specialist in Electronics Equipments Like
LCD tv, Car cd, Stereo Sets, DVD Players,
Washing machine Etc.
Pushpagandha Society, Shree Nagar Thane (w)

Pro. Arun Bajpay mob.9820376233
ph.:022-2581467
MATESHWARI
REFRIGERATION की ओर से
"मानवधिकार अभिव्यक्ति"समाचार पत्र के
उज्वल भविष्य की कामना एवं सभी देवी भक्तों को
"नवरात्री" के पावन पर्व की हार्दिक शुभेच्छा।
Repairs Of Air Conditioner, Refrigerator, Water-
Cooler, Deep, Friger, Washing Machine work &
Spray Pintting Work Also done.
Pushpagandha Society, Shree Nagar Thane (w)

वॉईस ऑफ मुम्बई

आम जनता के अच्छे दिन आ गये ? या फिर ये भी चुनावी हवा हवाइयाँ ही बन कर रह गयी?. . . .

अमित दिगे
(मुलुण्ड मुम्बई)

किसी सरकार को सही मायने में परखने के लिये उसे कुछ वक्त तो मिलना ही चाहिये,क्या इससे पहले की सरकारों को मौका जनता ने नही दिया था?यदि वो सब इतने सालों तक राज करने के बाद भी कुछ नही कर पायीं तो इसे तो आकर अभी चन्द महिने ही हुए हैं।

गौरव पोडवल
(मुम्बई)

मोदी जी को अभी सरकार बनाकर कितने दिन ही हुए है? वो तो हमारी पिछली सरकारों ने जो खड्डे खोद कर रखे हैं,अभी तो सिर्फ उनको भरने का काम चल रहा है, उनको भरने के बाद ही अच्छे दिन आयेंगे ये कोई दो दिन का काम तो नही है कि छड़ी घुमाई मँहगाई गायब।

कुनाल सतपुते
(मुम्बई)

हर राजनीतिक पर्टियों का यही काम होता है कि वोट के समय जनता के दुखती हुई नशों को दबाओ और बेवकूफ बनाओं, और जब खुदकी सरकार बन जाये तो वही करो जो पिछली सरकारें करती आयी हैं, इन्हे जनता के दुख: का जरा सा भी अहशास नही है।

श्रेनिक पुनमिया
(मुम्बई)

अच्छे दिन आ गये हैं ना, साहब गरीब व्यक्ति को सिर्फ तीन वस्तु की जरूरत होती है रोटी, कपड़ा और मकान, फक्त इतना मिला तो गरीब व्यक्ति खुश होता है, उसको सी-पोर्ट और बुलेट ट्रेन नही ,फक्त मँहगाई कम करो।

आप भी अपनी अभिव्यक्ति अपलोड कर सकते है -
you can upload your news & veiws on:-
www.facebook.com/manvadhikar.abhivyakti
or Free subscribe:-

मेरी भी सुध लो बाबा

कैलाश नगर और शांती नगर से होते हुए सांईराज चौक से गुजर कर जाने वाले गटर को कई बार बनाया गया लेकिन उसको ऊपर से छत डाल कर बन्द करने के लिये म्युनिसिपल के पास अथॉरिटी नही है, ऐसा सम्बधिंत विभाग का मौखिक बयान है ये उनके अधिकार क्षेत्र में नही आता है ऐसा मानना है, जबकि इसको लेकर रवि निगम द्वारा २००५ से कई बार पत्राचार किया गया लेकिन आज तक इसकी सुध लेने वाला कोई नही है जबकि स्वच्छता के नाम पर बड़े - बड़े कामों के दावे किये जाते है लेकिन इस परिसर की मुख्य समस्या खुला गटर भी है जिसकी दुर्गन्ध से क्षेत्रीय जनता को दो चार होना पड़ता है लेकिन क्षेत्रीय प्रशासन है कि इसकी सुध ही लेने को राजी नही है क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों को भी सायद ये गंभीर समस्या नही लगती है जबकि इसकी वजह से महामारी फैलने का हर समय खतरा बना रहता है खुले गटर होने की वजह से लोग इसमे हर तरह कचरा डालने से नही चूकते जिसकी वजह से चूहों की भरमार रहती है। ये किसी भी लिहाज से नुक्सान दायक ही है, ये इमारतों की फउण्डेशन को खोखला करने का भी काम करते हैं वैसे भी वागले परिसर की इमारतें जरजर है प्रशासन को विना समय गवांये इस पर ध्यान देने की जरूरत है। मेरी भी सुध लो बाबा . .क्षेत्रीय जनता

क्या आपके क्षेत्र या परिसर में भी ऐसी जटिल समस्या हैं क्या आप भी उसको लेकर परेशान हैं क्या आपकी भी समस्याओं की अनदेखी हो रही है तो कृपया हमारे पते पर संपर्क करें या फिर हमें पत्र लिखें या ई मेल द्वारा भी आप हमसे संपर्क करें या फिर Facebook पर अपलोड करें।
सदैव आपके साथ . . . . .- मानवाधिकार अभिव्यक्ति

मैनें भी देखा

ये कॉलम खाश आप सभी की मुख्य समस्या भ्रष्टाचार और अपराध, बाल श्रम व महिला उत्पीडन तथा अन्याय आदि के खिलाफ पुरजोर आवाज बुलन्द करने के लिये है, यदि ऐसी किसी भी प्रकार की घटना आपके आस पास हो रही है तो आप उसे हम तक शेयर (साझा) अवश्य करें, आपका नाम पता गुप्त रखा जायेगा तथा उचित से उचित न्याय मिलने तक इसे बुलन्द किया जायेगा संस्था आपको आपको आश्वस्त करती है कि आपकी विश्वास को आघात नही होगा, और न ही संस्था अपनी विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाने का मौका नही देगी।

कृपया आप सभी से अनुरोध है कि संस्था के इस मुहिम को सफल बनाने में आप सभी राष्ट्रभक्तों की विशेष आवश्यकता है, ये कार्य किसी एक व्यक्ति विशेष के द्वारा पूरा नही किया जा सकता है, इसमें एकजुटता की वहुत ही ज्यादा जरूरत है यदि वाकई में इस विसंगतियों से निजात पानी है और देश को एक सवल और सक्षम बनाना है तो, वरना जो जैसा चल रहा है वो चलता ही जायेगा। - धन्यवाद

Rohinee Enterprises
Civil & Electrical.
Furniture & Aluminum.
POP ,Painting & Plumbing.
With Intirior Designers.
Without Intirior Designers.
Job satisfaction Guaranteed.
Shiv-Shakti Apt. 3rd floor , wagle estate thane(w) 400604
E-mail : rohinee_ravi@rediffmail.com .Mob. 977 333 1876

इन्साफ कहाँ है ?

ठाणे महानगर पालिका के वागले इस्टेट के शिव टेकड़ी परिसर मे पानी आपूर्ति को लेकर सौतेला व्यवहार वर्षो से चला आ रहा है क्षेत्र की वेचारी जनता राजनेताओं के राज नीति का शिकार सालों साल से हैं न तो इसको लेकर कोई गंभीर ही दिखाई देता है न ही ऐसी स्थिति फिलहाल दिखाई ही देती है, हद तो ये है कि इतनी समस्याओं के बाद भी जनता है कि अपने क्षेत्रीय जन प्रतिनिधिओं के प्रति वफादार है, क्योंकि सच्चाई तो ये है कि इस परिसर के रहवासी किसी न किसी जन प्रतिनिधि के प्रति समर्पित है, जिस कारण समयानुसार उन्हे उसका लाभ भी प्राप्त होता रहता है वस पिसती तो वेचारी वो जनता है जिसका रहनुमा कोई नही है, वो तो जन प्रतिनिधियों के रहमों पर ही आश्रित है।

ज्ञात हो कि ठाणे के वागले इस्टेट के शिव टेकड़ी परिसर में पानी की समस्या वर्षो से है और ये समस्या कोई प्राकृतिक नही है, ये समस्या वो है जो रजनीति से प्रेरित है, क्योंकि इस परिसर में गली छाप नेताओं की भरमार है हर इमारत में दो चार नेता मिल जायेंगे जिनकी पहचान मात्र क्षेत्रीय नेताओं से है, लेकिन उनकी वार्तालाप मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से नीचे की नही होती है, ऐसा प्रतीत होता है कि आगामी सरकार के वही मुख्यमंत्री होने वाले हैं जिनकी वजह से कार्य करने वाले कार्यकर्ता भी आहत होते है और जनता भी मिलने वाले फायदे से महरूम रहती है।

यही कारण है कि इन छुटनेताओं की वजह से यह परिसर पानी को लेकर संधर्ष करता रहता है वो संधर्ष कुछ इस तरह का है कि इस परिसर को यदि छोड़ दे तो वाकी के परिसरों में इतनी समस्या नही है।

जहाँ इस परिसर में पानी छोड़ने से लेकर पानी के समय के साथ-साथ पानी के प्रेसर तक में राजनीति हो रही है, इस परिसर में ३० घन्टे से३५-३५घन्टे के वाद पानी छोड़ा जाता है, वो भी मात्र ६० मिनट से ७५मिनट के लिये, वो भी कम प्रेसर के साथ, साथ ही दूसरे परिसरों में कहीं २४ घन्टे में २-२ घन्टे, कहीं २४ घन्टे में दो-दो वार २-२ घन्टे, पानी छोड़ा जाता है, सुनने में तो ये भी है कि रसूकदारों के परिसर में २४ घन्टे में १२ घन्टे तक पानी की आपूर्ति है, तो ये सौतेला व्यवहार इस परिसर की जनता के साथ क्यों?

इस परिसर की जनता जानना चाहती है, क्या उसे पानी के विल में कोई विषेश लाभ या छूट दी गयी है या फिर उन उपभोक्ताओं से इनकी आपेक्षा अधिक विल प्राप्त होता है जिस कारण इन्हे इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस विषय को श्रमिक उत्थान एवम सामाजिक कल्याणकारी असोसिएशन ने अपने पत्र दिनांक ०१.०२.२०१४ के आवक क्रमांक ४३०२३ के माध्यम से मा.आयुक्त महोदय टीएमसी के समक्ष RTI के माध्यम से प्रस्तुत भी किये व अन्य कई अहम विषय भी प्रस्तुत किये लेकिन आयुक्त महोदय ने न तो इस विषय की गंभीरता को समझा न ही इस विषय पर गंभीरता से कोई विचार ही किया हद तो ये है कि जिसका जवाव ३०दिनों में दिया जाना चाहिये उसका जवाव आज तक नही दिया जा सका है।

जबकि संस्था ने इस पत्र में कई अहम विन्दुओं को उकेरा है यदि उन सब पर सही तरह से कार्यवाही की होती तो इसका लाभ जनता को अवश्य मिला होता लेकिन ऐसा नही हुआ, क्योंकि जनता की सुध लेने वाला कोई है ही नही जो जनता की सुध ले सके।

आखिरकार जनता को लेकर कोई संवेदनशील क्यों नही है? जवकि यही जनता है जो अपने जन प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर भेजती है कि वो उनकी आवज को सरकार और सरकार के अधीनस्थ नौरशाहों के कान तक पहुँचायें साथ ही उनकी समस्याओं, उनकी जरूरतों को पुर जोर उठायेंगे न कि कुर्सी मिलते ही सारे के सारे वादे कफूर हो जायेंगे और बकौल जनता वस इसी आस पर जीती रहेगी कि कोई न कोई उनकी सुध लेने वाला अवश्य आयेगा, आखिर कव तक वो इस आस को अपने अन्दर सजोंये रहे, कोई तो आकर इन्हे इन्सफ दिलाये, आखिरकार इन्साफ कहाँ है?

-श्र.उ.एवम स.क.असो.

वॉईस ऑफ ठाणे

चुनावी हवा हवाइयाँ ही बन कर रह गयी?. . . .

विनोद शर्मा
(ठाणे महाराष्ट्र)

हाँ अच्छे दिन आ गये ,जनता के नही उनके जो अच्छे दिन का कई साल से इन्तजार कर रहे थे, और आने भी चहिये गयी सरकार ने दस साल तक इण्डिया साइनिंग का मजा लिया तो अव आने वाली सरकार अच्छे दिन का भी मजा लेगी ना, जिसका असर उत्तराखण्ड में दिखा भी है।

सौरभ डे
(ठाणे महाराष्ट्र)

अच्छे दिन किससे आ गये? आम आदमी तोआज भीअच्छे दिन का इन्तजार कर रहा है,यदि आपके हिसाव से यही अच्छे दिन है तो बहुत अफसोश होगा! भाई अच्छे दिन की आप वात करते हो , इस सरकार ने तो गई सरकार से भी ज्यादा बुरे दिन लाकर रख दिये है।

संग्राम शिर्के
(ठाणे महाराष्ट्र)

हाँ अच्छे दिन तो नही लेकिन बुरे दिन जरूर आ गये,अच्छे दिन तो उन दलालों के आ गये हैं जो किसानों का माल कम दाम में खरीदते और जनता को चार गुना बढ़ाकर बेचते हैं,सरकार ने इस पर अभी तक कोई भी कार्यवाही नही की, जवकि सरकार ने चुनाव के समय वादा भी किया था।

नितेश ठक्कर
(ठाणे महाराष्ट्र)

हाँ अच्छे दिन आ गये ,क्या आपके अच्छे दिन नही आये, मोदी जी जिस दिन से प्रधान मंत्री वने अच्छे दिन तो तभी से आ गये, सरकार को थोड़ा वक्त तो दो की आज सरकार वनी और कल से मँहगाई गायव ,अच्छे काम दिखने में थोड़ा समय लगता है।

आप भी अपनी अभिव्यक्ति अपलोड कर सकते है -
you can send your news & veiws on:-
manvadhikar.abhivyakti@gmail.com

सम्पादकीय -:कटु सत्य :-

नमो ने आखिरकार अपने सपने जनता में बेचे तो हैं और भोली भाली जनता ने खुले दिल से उन्हे खरीदा भी, लेकिन सवाल तो ये उठता है कि बेचारी जनता जिसने उन सपनों का मोल भाव तक नही किया और उनके वादों पर पूरा यकीन भी किया, यहॉ तक उसने इन सपनों का मुँह मांगा दाम भी दिया है, अब क्या उस बेचारी जनता के सपने कब तक पूरे होंगें और होंगें भी या नही, अभी सब कुछ वक्त के गर्भ में ही है। देखने की तो अब ये बात है कि क्या जिस मॉडल को जनता के बीच मूँह मांगे दामों पर बेचा गया है तो क्या वही गुजरात मॉडल पूरे देश में कारगर साबित हो पायेगा, क्योंकि जिस गुजरात मॉडल की चर्चा आम थी वो गुजरात मॉडल गुजरात के लिये तो कारगर सावित हुआ के नही, ये तो जग जाहिर है, लेकिन ये भी सत प्रतिशत सत्य है कि गुजरात नमो की सरकार या बीजेपी की उससे पहले की सरकार से पहले से ही एक अगड़े प्रदेशों में शुमार था और वहॉ के वाशिंदे पहले से ही आर्थिक रूप से संपन्न थे और वो व्यापार क्षेत्र में अपनी खाशी पकड़ मजबूत किये हुये थे, साथ ही वहॉ का ज्यादातर व्यक्ति व्यापार से ही जुड़ा है और यहॉ तक कि वहॉ का वाशिंदा देश के कोने कोने तक ही नही सीमित है, विदेशों में भी अपनी पकड़ मजबूत किये हुये है, ये नौकरियों की आपेक्षा अपने स्वतः के बिजनेस पे ज्यादा विश्वास करते हैं ये काम सीखने की दृष्टि से तो दूसरे की नौकरी कर लेते है लेकिन समय रहते ही ये अपना स्वतः का व्यापार करने लगते हैं, जिनमे गुजरात के जैन समाज सबसे अग्रणी है, इसी तरह बोरी मुस्लिम समाज भी इसी कार्य में दक्ष माना जाता है और वहॉ का पटेल समाज व्यापार में निपुण है साथ ही कपास का व्यवसाय ही है जो वहॉ के सफलता की कुंजी है, लेकिन यदि पूरे देश की भौगोलिक दशा पर व जनता पर दृष्टिपात किया जाय तो ये असंभव सा ही होगा कि ये मॉडल पूरे देश में कारगर सावित हो, क्योंकि ये तो यहीं से देखा जा सकता है कि क्या उत्तर भारत से जो वर्ग गुजरात में काम कर रहा है क्या वो वहॉ के मूल वाशिदों के बराबर सक्षम है? तो सायद नही, तो क्यों कर वो अपने आपको उनके बरावर सक्षम नही बना सके ये प्रश्न विचारणीय है? तो हॉ विकास तो होगा लेकिन गुजरात से जुड़े व्यक्तियों का, वाकी सिर्फ वही ढाक के तीन पात के वरावर?**साथ ही ये भी कटु सत्य है कि जिनके दम पे मोदी को सत्ता का सुख मिला है विकास उस कार्पोरेट जगत का होगा, हालिया निर्णय जो मोदी सरकार की तरफ से हुए है ये उनमे साफ-साफ देखा जा सकता है लेकिन इसमे सबसे अहम बात तो ये देखने को मिली है कि जिस कांग्रेस की सरकार को मोदी जी पानी पी पीकर कोसा करते थे, जिस मनमोहन सरकार की आलोचना करते नही थकते थे व सबसे कमजोर प्रधान मंत्री की संज्ञा तक नही देने से चूंकते थे, जिनके निर्णय को जन विरोधी कहा करते थे लेकिन सत्ता की चाबी पाते ही वो सब भुला दिये गये, यहॉ तक जिनको महँगाई को साठ दिनों में छू मंतर करने वाला जादूगर बताया जाता था, चौधरी चरण सिंह और मोरार जी देसाई की तुलना करते हुए ये कहा जाता था कि यदि वो सब ऐसा कर सकते थे तो मैं भी ऐसा कर दिखलाऊँगा, "अच्छे दिन आने वाले हैं" ये भी यदि देखा जाय तो कहीं हद तक गलत नही था अच्छे दिन आये लेकिन बीजेपी पार्टी नेताओं के जो दस साल के वनवास के बाद आये हैं, यदि इस तरह का आर्टी-फीसियल माहौल तैयार नही किया जाता तो ये अच्छे दिन आने वाले नही थे, ये संघ और पार्टी दोनों ही जानते थे और ये भी जानते थे कि ये जादू मोदी के अलावा कोई नही कर सकता और सोची समझी योजना के तहत ही ये सब कुछ संभव हो पाया है, बैरहाल कुछ भी कहा जाये लेकिन इस बात को भी नकारा नही जा सकता है, कि यदि यथार्त को सच माने तो चाणक्य के बाद यदि हिन्दोस्तां का नाम कूटिनीति में गिना जायेगा तो ये कहना बिल्कुल गलत नही होगा कि एक चाय बेचने वाला, तो उसी श्रेणी से यानि निर्धन परिवार से चाणक्य का भी नाम जुड़ा था और चाणक्य को कौन नही जनता कि वो कूटिनीति के ज्ञाता थे जिनकी नीति हमे पढ़ाई भी जाती है, उनकी पुस्तकों को आम जनता बड़ी दिलचस्पी से पढ़ती है, लेकिन यदि उसके बाद कोई नाम फर्क से लिया जा सकता है तो वो मोदी के नाम को लिया जा सकता है, यदि राजनीति को परेय रखकर देखा जाये तो, वो कैसे, जिस व्यक्ति के नाम पर संप्रदायिकता के नाम की विश्व में मोहर लगी हो जिसे अमेरिका जैसे देश बीजा देने से कतराते हों बल्कि साफ-साफ मना करते हों, जो व्यक्ति पड़ोसी राष्ट्रों के लिये आँख की किरकिरी समझा जाता हो, जिसे अपने देश ही नही विदेशियों के विरोध का सामना करना पड़ता हो और यदि वो व्यक्ति अपने साम,दाम से अपनी धूमिल छवि को साफ सुथरा करके पेश करने की कला के साथ सारी दुनियाँ का रूख अपनी तरफ मोड़ने मे महिर हो तो ऐसे व्यक्तित्व को आप कौन सी संज्ञा देगें? जिसने अपनी चपला से कहो या बुद्धमानी से कहो लेकिन कुछ भी कहो जिसने अपने खिलाफ बहती हवा का रूख पलट दिया हो तो मेरी समझ में तो फिलहाल ऐसा कोई दूसरा अभी तो नजर नही आता है, खैर सबसे अहम बात तो ये है कि जिन्होने नमो को प्रधानमंत्री की कुर्सी का सपना पूरा करने में अपना अहम योगदान दिया है तो क्या उन उत्तर भारतियों को परप्रान्त में सन्मान दिलाने की पहल करेंगें? तो ये उन्हे विषेशता से करनी चाहिये या फिर अब भी वही होगा कि खेल खतम पैसा हजम यानि चुनावी वादे चुनाव के साथ ही फुर्र मा . मोदी जी जनता जिस तरह से अर्स पर बिठाती है तो गिराती भी दुगने अनुपात में है।**

मोदी पर मानसून भारी
या फिर भद्रा का प्रकोप जारी?

विगत दिनों चुनाव में मोदी के नामांकन को लेकर बीजेपी पार्टी के भीतर एक वहुत बड़ी खीचतांन जारी थी, केन्द्रीय आलाकमान और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और वाराणसी के वुद्ध जीवियों के वीच, कि भद्रा नक्षत्र में नामांकन भरना ठीक नही है। इस लिये मोदी जी का नामांकन उस दिन न भरा जाये, लेकिन उनके रणनीतिकार इन सवसे परेय होकर रणनीति तैयार करने में लगे थे, कि किस तरह स्कोर किया जाये कि जिससे एक साथ दो फायदे लिये जा सकें ताकि एक तीर से दो निशाने लगाये जा सकें, यानि नामांकन ऐसे समय पर भरा जाये जिस दिन वोटिंग हो ताकि उस दिन टीवी चैनलों पर मोदी ही मोदी को दिखाया जाये सवसे ज्यादा कवरेज उन्हे ही मिल सके और हुआ भी कुछ ऐसा ही लेकिन धार्मिक आस्था से जुड़े लोग इसे अच्छे संकेत नही मान रहे थे।

क्योंकि हिन्दू धर्म के अनुयायी इसे वहुत अशुभ मानते हैं, इस समय पर किया गया कार्य अच्छा फलदायी नही होता है धर्मगुरूओं का ऐसा मानना है, जवकि सायद इससे मोदी जी भी भली-भांति वाकिफ होंगे, लेकिन सत्ता का स्वाद इतना वुरा होता है यदि जिसके जुवां पे एक वार लग जाये तो वो उसे भुला के भी नही भुला सकता और जव सत्ता के मुहाने पर कोई पहुँच गया हो और उसे ये एहशास हो जाये कि अव वो सत्ता से वस एक कदम ही दूर है तो फिर वो हर तरह के पैतरे अजमाने की कोशिस में जुट जाता है साम, दाम, दण्ड, भेद इत्यादि सभी अस्त्रों के प्रयोग से नही चूकता है और येन केन प्रकारेण वो अपने लक्ष्य को पाने में जुट जाता है और सायद ऐसा ही कुछ देखने को मिला भी, जवकि इसके प्रकोप को खत्म करने व कम करने के लिये समर्थकों ने भी काफी कुछ उपाय भी किये जिसके लिये समर्थ कों ने यज्ञ तक भी किये, लेकिन उनके द्वारा किये गये यज्ञ उनके विजयी होने के लिये किये गये थे तो वहाँ तक वो सफल भी हुए।

लेकिन अव उसे देखें तो सायद भद्रा का असर ही है कि मोदी के सारे के सारे दांव विफल होते दिखते हैं,वो ऐसे जवसे उन्होने वडौदरा की सीट छोड़ी एक न एक समस्या उन्हे धर दवोच रही है एक महिने के ही भीतर उनके पुतले फूंके जाने लगे और वो तो छोड़िये उन्हे जैसे ही प्रधानमंत्री पद के लिये नियुक्त किया गया वैसे ही पहली वुरी खवर आ गयी कि अफगानिस्तांन में भारतीय दूतावास पर हमला हो गया और शुभ संदेस से पहले ही अशुभ संदेश ने दस्तक दे दी और उन्हे उसका समना करना पड़ा, साथ ही साथ इराक में भी युद्ध जारी हो गया जहाँ ४९ मजदूर और ४६ नर्से विद्रोहियो द्वारा वन्दी वना ली गयी देश में भी उसका असर देखने को मिला पेट्रोल के वढ़ते हुए दाम के रूप में साथ ही साथ रेल के किराये ने आग में घी काम किया, प्याज और आलू ने जनता के गुस्से को और धार दे दी, रही सही कसर चीनी और टमार ने पूरी करने में कोई कसर नही छोड़ी मानसून ने तो पूरा मन सा वना लिया है कि वो उनके "अच्छे दिन आने वाले हैं"की पूरी हवा निकाल के ही दम लेगा, "मोदी सरकार" पर तो मुसीवतों के वादल ही जैसे फट पड़े हों, ये कहना भी कहीं हद तक सही होगा कि "सर मुड़ांते ही ओले पड़ गये",वैसे मान्यनीय मोदी जी के समर्थकों का ध्यान . . . ?

शेष अगले अंक में . .

चीन का चुमार विवद को खत्म करने के लिये फ्लैग मार्च का प्रस्ताव दिया -

नई दिल्ली सूत्रो के मुताविक चीन ने चुमार विवाद को सुलझाने के लिये भारत को फ्लैग मार्च का प्रस्ताव दिया है, चीनी फौजियों की घुसपैठ लद्दाख के चुमार में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल ए सी)पर जिनकी संख्या लगभग एक हजार है भारत के भी अपने फौजियों की तैनाती इतनी ही संख्या में है।

भारत ने नियंत्रण रेखा पर और सैनिक भेजने का फैसला किया है, ये निर्णय उस घटना के वाद लिया गया जव चीनी फौज ने भारतीय फौज को उनके ही क्षेत्र में पीछे ढकेल दिया ये घटना चन्द दिन पहले की है, उधर चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग ने अपनी सेना के तीन जनरलों को क्षेत्रीय जंग जीतने के लिये पूरी तैयारी के साथ रहने को कहा है व अपनी युद्धक क्षमता को भी वढाने पर भी जोर दिया है।

शी जिंगपिंग का ये वयान ऐसी घड़ी में आया है जव नियंत्रण रेखा पर माहौल गर्म है ये वयान विवाद को और वढा सकता है, वहीं भारतीय सेना भी नियंत्रण रेखा पर डटी हुई है।

मोदी मैजिक १००दिन का?या शाह को मिली मात !

हाल ही में उप चुनाव के ताजा परिणाम को देख भाजपा के एक वरिष्ठ नेता स्तव्द होने के वजाये सरप्राईज्ड थे कि उत्तर प्रदेश में इस प्रकार चौकाने वाले नतीजे देखने को मिलेंगे और मोदी जी का जादू १०० दिन में फुर्र हो जायेगा कि गुजरात में ९ में से ३ और राजस्थान में ४ में से ३ सीट काँग्रेस उनकी छीन लेगी जो भाजपा शासित राज्य हैं रही सही कसर अखलेश यादव ने तो ११ में से ८ सीट झटक के पूरी कर दी, अव महाराष्ट्र और हरियाणा में क्या ?

pro. Dinesh Bhai mob.9322451444
RITA COLLECTION
की ओर से
"मानवधिकार अभिव्यक्ति"समाचार पत्र के उज्वल भविष्य की कामना एवं सभी देवी भक्तों को "नवरात्री" के पावन पर्व की हार्दिक शुभेच्छा।
Canan Zerox, Lamination, Spiral Binding, Print-out, School Books & Bags, All Type Stationery, Sport Stationery Etc.
Shop No.13-14, Bhakti Dham, Sector-1, Shree Nagar, Thane.

Pro. Yuvraj Rane mob.9833653539
साई इंटरप्रायझेस
की ओर से
"मानवधिकार अभिव्यक्ति"समाचार पत्र के उज्वल भविष्य की कामना एवं सभी देवी भक्तों को "नवरात्री" के पावन पर्व की हार्दिक शुभेच्छा।
Canan Zerox, Lamination, Spiral Binding, Printout Etc.
Shop No.2, Gokul Bangla, Sector-1, Shree Nagar, Thane (w)

यूपी में भाजपा की लुटियाँ डुबने का कारण, नेताओं का बडबोलापन ?

उत्तर प्रदेश में जो भाजपा को करारी सिकश्त मिली उसका कारण भाजपा के हार्डलाईन नेता ही जिम्मेदार हैं, जो हिन्दुत्व के एजेण्डे को पुर्नजीवित करने का प्रयास कर रहे थे, जवकि जनता ने उन्हे इस वार हिन्दुत्व नही विकास के नाम पर वोट किया वो ये भूल जाते हैं कि आज का ८०% युवा विकास चाहता है उसे अपनी रोजी रोटी की तलाश है, न कि वो साम्प्रदायिकता या धर्मनिरपेक्षता का हिमायती है, वो एक अदद काम की तलाश में कभी एक पार्टी तो कभी दूसरी पार्टी में अपनी उम्मीदों की वाट जोहता नजर आता है। लेकिन वकौल पार्टियाँ उसकी उम्मीद, आशाओं और विश्वास का मज़ाक वनाती है, वो इन सव वातों से सवक लेना ही नही चाहती हैं कि यदि उन्हे जनता ने मौका दिया है तो वो अपने वादों पर भी अमल करें लेकिन जव ऐसा कुछ होता नही दिखाई देता है तो ये पव्लिक है ये सव जानती है, कि अर्श से फर्श पे कैसे लाया जाता है वकौल जनता हिन्दुत्व या लव ज़ेहाद जैसे फिजूल खर्ची पर खर्च नही करती,उसे तो काम और वस काम से मतलव है राजनैतिक पार्टियों को इससे सवक लेना चाहिये लेकिन क्या करें, जो जिस विचारधारा से जुड़ है तो वो लाख चाह कर भी खुदको वदल नही सकता है, क्योंकि उसके आस पास का वातावरण ही उससे ग्रसित रहता है, लेकिन भाजपा को इसका अहशास तो वाखूबी से होना चाहिये कि ये वही जनता है जिसे इनके पूर्व शासनकाल को नकारा था।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट बारह की मौत पर पसरा मातम
सी एम अखलेश यादव ने किया मुआबजे का ऐलान

शनिवार की सुबह मोहनलालगंज के सिसैंडी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में तीन जबरदस्त ब्लास्ट होने से एक बच्चे समेत बारह लोगों की मौत हो गयी, ये घटना सुबह आठ बजे की है, जो गांव दशहरा और दिवाली में आतिशबाजी से दूसरों के घरों में खुशियों की सौगात लाने का काम करता था वो आज मातम के साये में अपने अतीत को खोज रहा है जिसने इस त्रासदी में अपनी मासूम बेटी को खो दिया ये फैक्ट्री एक मुसलिम परिवार की थी जिसने इसका लायसन्स भी ले रखा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ये धमाका इतना जोरदार था कि देखते ही देखते उस घर की छत तक उड़ गयी और छत पर चारपाई पर सो रही उसकी बेटी के तो चिथड़े तक उड़ गये उसका शरीर एक नीम के पेड़ पर जा लटका और हांथ पैर ५० मी. दूर जा गिरे ये हादशा इतना भयावाह था की प्रत्यक्षदर्शी इसे देख भौचक्के रह गये, ऐसी खबर है कि इस हादसे के शिकार अभी चार लोग अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे हैं इसमे १५ अन्य भी धायल हैं जो इसकी चपेट में आ गये थे, पटाखाा फैक्ट्री के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिये गये हैं इसकी जांच डी एम ई राजेश पाण्डे कर रहे हैं गौरतलव है कि इस फैक्ट्री का लायसन्स २०१५ तक के लिये जारी है।

आई जी के मुताविक इस कथित फैक्ट्री में वारूद भण्डारण के लिहाज से सुरक्षा के कोई इन्तजाम नही थे,लापरवाही ही इसकी मुख्य वजह है ऐसा कहना है प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस की टीम भी जांच में जुटी है,साथ ही फॉरेन्सिक एक्सपर्ट भी पता लगाने में जुटे हैं कि विस्फोट कितनी क्षमता वाला था । इस घटना पर मुख्यमंत्री अखलेश यादव ने गहरा दुख जताया है और मृतकों को दो-दो लाख रूपये और गंभीर रूप से घायलों को ५० हजार रूपये तथा साधरण घयलों को २५ हजार की आर्थिक मदद की घोषणा की है, साथ ही डॉक्टरों की टीम भी गंभीर रूप से घायलों को बचाया जा सकता है ऐसी कोशिश उनकी ओर से जारी है, सरकार भी इस पर नजर रखे है।

जयपुर के एक आभूषण व्यापारी के घर लूट के बाद रेप

जयपुर के वैशाली नगर में एक सोनार के घर लुटेरों ने लूट को अंजाम के साथ-साथ रेप को भी अम्जाम दे दिया लूट में १० हजार और १२ तोले सोना और कीमती छह मोवाईल हथियार के वल पर लट लिये और एक महिला के साथ सामूहिक वलत्कार भी किया बूढ़े मां बाप को रस्सी से बांध दिया जिसके कारण उनको भी फ्रेक्चर हो गया, पुलिस सी सी टी वी फुटेज के जरिये वदमाशों को पकडे जाने का भरोसा दे रही है।

जोधपुर में १४वर्ष की बच्ची ने अपने स्कूल के साथी के चिढाये जाने पर खुदकुशी कर ली

रजस्थान के जोधपुर में १४ वर्षीय पिंकी ने पंखे लटक कर आत्महत्या कर ली जिसने मरने से पहले जो सोसाईट नोट लिखा जिसे पढ़ कर सभी का दिल रोने लगे, इस घटना की वजह उसके साथ पढ़ने वाले छात्र ने एक खाश नाम से उसे पुकार जिसकी शिकायत उसने टीचर से की तो टीचर ने भी उसे ही डांटा और वही नाम से पुकारा जिसकी वो शिकायत करने गयी थी,घरवालों ने उसे वही पढ़ने को कहा जिसके वाद उसने आत्महत्या कर ली।

गर जेल जाना है तो महिलाओं को मारो मिस्ड कॉल!

जी हाँ आपने सही सुना! यदि आप विहार से हैं तो खवरदार हो जायें गर आपने भूल से भी किसी महिला को मिस्ड कॉल मार दी तो आपको जेल हो सकती है, विहार के सी आई डी महानिदेशक अरविन्द पाण्डे ने एक सर्कुलर जारी कर राज्य के सभी जिलों के अधीक्षकों तथा जी आर पी को मिस्ड कॉल पर सख्त कारवाई के आदेश जारी किये है, दो बार मिस्ड कॉल करने पर पुलिस कारवाई नही करेगी लेकिन परेशान करने पर आई पी सी के तहत सजा।

इंसानियत को फिर तार-तार करने वाली घटना सामने आयी है,विहार में चलती ट्रेन में सामूहिक बलत्कार

ये दुस्कर्म की घटना विहार के चौसा और दिलदार नगर के वीच चलने वाली पैसेन्जर ट्रेन में घटित हुई, उत्तराखण्ड के नैनीताल की रहने वाली एक युवती इस ट्रेन में सफर कर रही थी जिसके साथ ये घिनौना दुस्कर्म किया गया, उस ट्रेन में यात्री कम होने के कारण रात्री के समय का चार दुस्कर्मियों ने उसका फायदा उठाया और चौसा स्टेशन आने से पहले ही ट्रेन रोक कर फरार हो गये, महिला यात्री ने चौसा स्टेशन पर उतर कर इसकी जानकारी उसने स्टेशन मास्टर को दी, तथा वक्सर रेल पुलिस ने उक्त महिला की जानकारी मिलते ही उसका मेडिकल चेकप करवाया और मामला दर्ज कर लिया महिला मानसिक रूप से कमजोर सी दिख रही थी उसे ना तो अपने घर का पता ही ज्ञात था ना ही वो मोवाईल नंवर या फोन नंवर वता पाने की स्थित में ही थी, सायद वो मानसिक रूप से विकृत हो गयी है क्योंकि वो वार-वार अपना वयान वदल रही है ऐसा थाना इंचार्ज राम प्रवोध यादव का कहना था उन्हेने इस विषय पर जल्द ही गिरफ्तारी की वात कही है। लेकिन महिलाओं को तो अकेले सफर में लेडीज डव्वों में ही यात्रा करनी चाहिये ऐसा मानना है।

शरदीय नवरात्री २५ सितंबर से शुरू व ३ ऑक्टोबर को दशहरा (विजय दशमी) की धूम सारे देश में

नवरात्री के शुरू होते ही नव युवाओं में एक नई स्फूर्ति सी जाग उठती है और डांडिये की गूँज गली मोहल्लों में सुनाई पड़ने लगती है वहीं हमारे वरिष्ट लोगों में माँ दुर्गा की उपासना की लहर दौड़ जाती है ये समय एक अदभुत वातावरण का अहशास कराता है सभी किसी ना किसी रूप में माँ की पूजा अर्चना में विलीन हो जाते हैं। सभी मिलकर वोलो जय माता की . . . .

मध्य प्रदेश की सरकार रीवा में बनायेगी राज कपूर की यादों का झरोखा

सिनेमा जगत से जुड़े युवाओं के लिये एक वहुत वड़ी खुशखवरी है कि सिनेमा जगत में संघर्षरत युवाओं को ये एक मंच की सौगात है, सिनेमा जगत के वनमैन शो से नवाजे जाने वाले ऑल टाइम स्टार अभिनेता श्री राज कपूर जी की यादों का झरोखा वनाने का निर्णय मध्य प्रदेश की सरकार ने लिया है

जिसकी भूमि पूजन मा.मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के कर कमलों द्वारा १३ सितंवर २०१४ को किया गया, इस यादों के झरोखे को ३६ करोड़ रूपये की लागत से तैयार किया जायेगा, आधिकारिक सूत्रों के मुताविक राज्य के जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के प्रयास से पुलिस अधीक्षक पुराने सरकारी निवास को राज कपूर की यादों के झरोखा के रूप में वदलने की वात प्रकाश में आयी है जिसकी योजना पूरी तैयार है।

ये मांग रीवा के स्थानिकों द्वारा काफी समय से की जा रही थी, वात दरसल ये है कि राज कपूर जी के ससुर श्री राय साहव करतारनाथ मल्होत्रा उनकी शादी के समय रीवा राज्य के पुलिस महानिरिक्षक थे, जो मूलरूप से पाक के पेशावर से थे जिनकी याद में इसे वनाने की मांग थी।

Pro. Ph.25835837

KANCHAN HARDWARE STORES

की ओर से

"मानवधिकार अभिव्यक्ति"समाचार पत्र के उज्वल भविष्य की कामना एवं सभी देवी भक्तों को "नवरात्री" के पावन पर्व की हार्दिक शुभेच्छा।

Retailer ;- All Type Pain & Colour, Electricals & Hadrware Materials, Pvc Tank, GI & Cpvc, Upvc-Pipes Fitting .

Swaegandha Apt. Shop No.2,Shree Nagar, Thane (w)

जिन्दगी से तंग "रिंग का किंग" फांसी से झूला!

डब्लू डब्लू ई और डब्लू डब्लू सी के स्टार "सीन ओ हेयर" जिन्होने विश्व के महान रेसलर "केन" और शॉन माइकल व विश्व के विख्यात रेसलर अण्डर टेकर जैसे खिलाड़ियों को मात देने वाले खिलाड़ी जिसे जिन्दगी ने मात दे दी, ४३ वर्षीय सीन ओ हेयर ने ९ सितम्बर को अपने साउथ कैरोलीन स्थित घर पर जिन्दगी से तंग आकर खुदखुशी कर ली, १० सितम्बर को स्थानीय लोगों की सूचना पर पोलिस ने उनका शव वरामद कर लिया, इसके मौंत के कारणों की वजह अभी साफ नही है, स्थानीय लोगों को जब सीन के घर से दुर्गन्ध महशूस हुई तो इसकी सूचना उन्होने तत्काल पोलिस को दे दी, मौके पर पोलिस ने पहुँच पहले सीन घर के दरवाजे को तोड़ा और जहाँ अन्दर सीन ओ हेयर का शव रस्सी से झूलता हुआ मिला, तत्काल उसे पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया जहाँ ज्ञात हुआ कि ये घटना २४-४८ घण्टे पूर्व घटित हुई है, सीन ओ हेयर आलोचनाओं में कई वार फस चुके थे, दो वार अपनी गर्लफ्रेण्ड को पीटने के चक्कर में चर्चा में आये, एक वार मार पीट के चक्कर में जेल भी जा चुके हैं, जिसमे एक बार तो आरोप सावित नही हो पाया लेकिन दूसरी और तीसरी वार उन्हे जुर्माना भी चुकाना पड़ा, उन्होने दो शादियाँ की थी पहली शादी २००५ में जॉय के संग की लेकिन ये रिस्ता ढेड़ साल में ही टूट गया और दूसरी शादी तो उन्होने अपनी पहली शादी के तलाक की घोषणा के वाद रेडियो पर इन्टरव्यू देने के दो दिन के पश्चात २००७ में ही कर ली थी लेकिन ये शादी भी ज्यादा दिन तक टिक नही पायी, इस घटना पर प्रोफेशनल रेसलर हल्क होगोन, चाक पोलंवो इत्यादि व अन्य प्रोफेशनल रेसलरों ने गहरा दुख : जताया है जिसे सोशल नेटवर्क के माध्यम से व्यक्त किया गया है ।

स्कॉटलैण्ड में अब बुखार नही बनेगा रोडा

कॉमनवेल्थ गेम में दीपिका के मंगेतर उनकी कामयावी के सूत्रधार बने जेण्टलमैन दिनेश कार्तिक , स्वचैश स्टार दीपिका पल्लिकल के साथ उनका लक जुड़ गया है ऐसा माना जा रहा है, २०१० में राष्ट्रमण्डल खेल

के दौरान बुखार ने उनकी प्रतिभा के वीच रोड़े का काम किया था, लेकिन अव वो पूरी तैयारी के साथ इसवार मैडल जीतने के लक्ष्य के साथ कॉमनवेल्थ खेलों में डेवू करने जा रही हैं, ग्लासगो के लिये रवाना होते समय ऐसा व्यक्त किया कि "ये यकीन करना जरा मुश्किल जरूर है कि मै पहली वार कॉमनवेल्थ गेम में उतर रही हूँ, आठ साल के प्रोफेशनल कैरियर के वाद इन खेलों में ये मेरी पहली चुनौती होगी, मेरे सामने सभी (सिंगल्स, डवल्स, तथा मिक्स डवल्स)मैडल होगें, ये खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हो रहे हैं ।

छोटे व्यापारियों को बड़े फायदे मार्डन रिटेल से मिल सकते हैं ये कहना है इंडिया रिटेल रिपोर्ट का

नई दिल्ली- भारत के रिटेल सेक्टर को आगामी तीन वर्षो में लगभग १६ प्रतिशत की एक अच्छी वृद्धि की उम्मीद है ऐसा मानना है इमेजेज ग्रुप की इंडिया रिटेल रिपोर्ट का, जैसा कि पिछले कई वर्षो से १८ % प्रतिशत ग्रोथ देखा जा रहा है ऑनलाइन रिटेल के साथ साथ ऑफलाइन रिटेल को भी वुरा नही माना जा रहा है।

इन्टरनेशनल एजेंसी आई जी डी की रिपोर्ट भी कुछ इसी तरह की आयी है कि इंडिया का ग्रॉसरी (किराना) रिटेल मार्केट २०१७ तक करीव ५१ लाख रूपये का हो जायेगा रिटेल कारोवारियों को मार्डन रिटेल की ओर अपना रूख करना चाहिये इन दोनों ही रिपोर्ट को माने तो रिटेल में ग्रोथ के साथ मौके भी हैं।

इमेजेज ग्रुप के दो साल में जारी होने वाली इंडिया रिटेल रिपोर्ट के मुताविक ३८,९३,४२५ करोड़ रूपये का रिटेल मार्केट है, २०२० मे ६१ लाख करोड़ पार करेगा, रिटेल रिपोर्ट के अनुसार इस वक्त रिटेल में मार्डन रिटेल मार्केट की सवसे ज्यादा ४३ .१ प्रतिशत की भागीदारी है ।

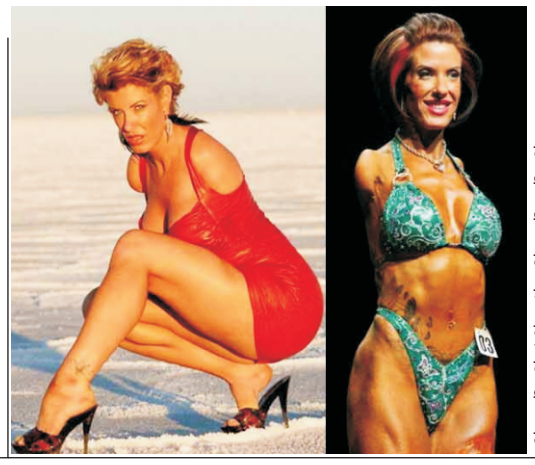

बिना हाथों वाली बॉडी बिल्डर स्टार

वार्वी थॉमस एक ऐसी अदभुत स्टार है जिन्होने अपने हौसलों से वो उड़ान भरी जिसे वहुत कम ही लोग होते हैं जो ऐसे कीर्तिमान हासिल करते हैं वल्कि वो ये सच कर दिखलाते हैं कि यदि हौसले वुलन्द हो तो कामयावी कदम चूमती है वार्वी ने वचपन में ही अपने हाथ गवां दिये थे लेकिन हौसला नही गवांया और कामयावी को अंजाम तक पहुँचाया ।

अब यूपी का हैण्डीक्राफ्ट सेक्टर चमकेगा निजी भागीदारी से मिलेगी ग्लोबल पहिचान

लखनऊ - उत्तर प्रदेश के हैण्डीक्राफ्ट सेक्टर को इंटरनेशनल स्तर पर जल्द ही नई पहिचान मिलने जा रही है इसके लिये नई नीति की घोषणा राज्य सरकार द्वारा की गयी इस नीति में हैण्डीक्राफ्ट के प्रमोशन के लिये निजी क्षेत्र में भागीदारी के साथ सरकार यूपी के हैण्डीक्राफ्ट को विशेष ब्राण्ड के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे प्रमोट करेगी

इस नीति की खाश वात तो यह है कि इसके लिये जो कवायद की गयी उसमे निजी क्षेत्र के कारोवारियों के लिये मौंके उपलब्ध कराया जाना है, प्रदेश में शिल्पियों को विशेषतया कच्चे माल को उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हे उसकी खाश ट्रेनिंग देना व अधुनिक डिजाइन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों की होगी, इसके अलावा क्राफ्ट विलेज और हैण्डीक्राफ्ट क्लस्टर के निर्मा ण में अहम भूमिका की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौपी गयी है,

हैण्डीक्राफ्ट पॉलिशी के मुख्य अंश

- सभी जिलों में हस्तशिल्प का सर्वे किया जायेगा, शिल्पियों को मास्टर क्राफ्टमैन के रूप में पंजीकृत किया जायेगा, उसके माध्यम से नये क्राफ्टमैन तैयार किये जायेंगे
- सभी शिल्पियों को वैंक के माध्यम से आर्टिजन क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी, इसी के मदद से शिल्पियों को कर्ज उपलब्ध कराया जायेगा
- हस्तशिल्प विकास के लिये प्रमुख शिल्प केन्द्र में निजी क्षेत्र के सहियोग से हैण्डीक्राफ्ट क्लस्टर विकसित किया जायेगा
- शिल्पियों को कच्चा माल उपलब्ध करने के लिये निजी क्षेत्र के सहियोग से डिपो तैयार किये जायेंगे
- कच्चे माल की जरूरत को पूरा करने के लिये वैकल्पिक कच्चे माल को विकसित करने के लिये आर एंड डी संस्थाओं की मदद ली जायेगी
- उत्पादकों की टेस्टिंग एवं प्रमाणीकरण के लिये टेस्टिंग लैवोरेटरी की स्थापना की जायेगी
- हस्तशिल्प को पर्यटन से जोड़ने के लिये हस्तशिल्प वाहुल्य स्थान को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा
- प्रदेश के विशिष्ट हस्तशिल्पियों को अंतरराष्ट्रीय पहिचान दिलाने के लिये भौगोलिक सूचकांक की सुविधा मिलेगी

निजी क्षेत्रों की होगी वड़ी जिम्मेदारी-

यूपी के हैण्डीक्राफ्ट नीति में निजी क्षेत्र को अहम भूमिका सौपी गयी है, उत्तर प्रदेश में हस्तशिल्प उत्पादन, स्किल डवलपमेंट, कच्चे माल की उपलब्धता, उत्पाद के वेयरहाउस और इंटीग्रेटेड हैण्डीक्राफ्ट पार्क की स्थापना निजी क्षेत्र के माध्यम से की जायेगी, राज्य सरकार प्रदेश भर में क्रफ्ट विलेज भी स्थापित करेगी।

अभिव्यक्ति

स्लम में बदलाव की चाहत-

संस्थापक/अध्यक्ष-रवि जी. निगम

भारत के बड़े शहरो में काफी तेजी के साथ विकास का कार्य प्रगति पर है,उँची-उँची इमारतें दिनों दिन खड़ी होती जा रही हैं लेकिन डेवलपिंग इण्डिया का एक बड़ा हिस्सा आज भी स्लम में ही जीवन यापन कर रहा है परन्तु इनकी जिन्दगी कैसे कटती है इसे हम सभी वाखूबी से जानते हैं लेकिन इनकी कोई सुध लेने वाला ही नही दिखता न ही इनकी समस्याओं को लेकर कोई भी दिलचस्पी ही दिखाता है ऐसे लोगों के मदद के लिये श्रमिक उत्थान एवम सामजिक कल्याणकारी असोसिएशन प्रयासरत है संस्था की मंसा है कि स्लम में रहने वाले व अनाधिकृत इमारतों में रहने वालों के लिये सिर्फ वस सिर्फ सरकारी घोषणायें ही नही उन पर अमली जामा भी जल्द से जल्द पहनाया जाये, इसे सिर्फ चुनावी वादों और सरकारी घोषणाओं में न उलझाकर रखा जाये उसे हकीकत मे अमल में लायें, ताकि जनता भी उसे सरकार की उपलब्धियों से जोड़कर देख सके ,संस्था भी इसी मंसा के साथ कार्य पर लगी हुई है।

इन्ही सभी ज्वलंत विषयों पर संस्था अपने कार्यो को करने का प्रयास भी कर रही है जो जनता के ज्वलंत विषयों से जुड़े हुए विषय हैं संस्था चाहती है कि गरीव जनता के अहम विषयों पर सरकार का ध्यान केन्द्रित किया जाये, ताकि ज्यादा से ज्यादा फायदा उस गरीव जनता को मिल सके जो इसकी असली हकदार है संस्था का श्लोगन भी इसी वात की पुष्टि करता है कि

जव जन-जन में विश्वास जगेगा ,तभी देश विकास करेगा।
जन जागृति की क्रान्ति लाना है, देश को सवल,समृद्ध वनाना है।।

संस्था भी आप सभी से भी यही आपेक्षा करती है कि आप सभी संस्था को अपना अमूल सहयोग प्रदान करते रहेंगे। "नवरात्रि" की हार्दिक शुभेच्छा .. जय हिन्द....

नानी के नुस्खे

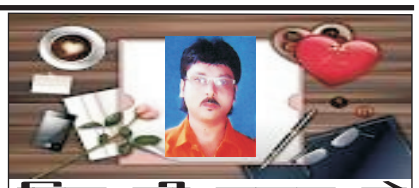

दिल की कलम से

भूल जा उस दिल को तू ,
जो तेरे ही दिल से न मिल सके.
ऐसे गुल से अव क्या वास्ता,
जो तेरी नज़र में न खिल सके -

वो शोख़ अदा चंचल नज़र,
जो कभी इधर तो कभी उधर.
ऐसे हुश्न से अव क्या वास्ता,
जो तेरे जिगर में न रह सके -

अरे वेवफ़ा तुझे क्या पता,
मेरे दिल में कितनी आस थी.
ऐसी आरजू से क्या वास्ता,
जो कभी भी पूरी न हो सके -

हम उस डगर पे आ खड़े,
जिसकी अगर न कोई डगर.
अव उस डगर से क्या वास्ता,
जो तेरी डगर से न मिल सके -

आर.एन. "दिवाना"

क्या पता है प्यास कैसे लगती है ?

हमारे शरीर में नमक और पानी की मात्रा एक निर्धारित मात्रा में होती है जव शरीर के अन्दर खून मे से किसी भी कारण से पानी की मात्रा कम हो जाती है तो इससे शरीर में निर्धारित मात्रा में असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तो ऐसी स्थिति में हमारे दिमाग में मौजूद प्यास का केन्द्र गले की नर्व्स को सूचना भेजता है जिससे गले में सिकुड़न होने लगती है सिकुड़न होने की वजह से गला सूखने लगता है और हमें प्यास महशूस होने लगती है अतः गर्मी में ज्यादा प्यास लगने की यही मुख्य वजह होती है जिस कारण हमें प्यास ज्यादा लगती है

-ज्ञान कोश-

१.किस लेखिका को हिन्दी साहित्य अकादमी पुरस्कार २०१३ देने की धोषणा हुई है?
अ.मृणाल पांडेय।
ब.मधु कांकरियां।
स.मुन्नू भंडारी।
द.मृदुला गर्ग।

२.ऑटोमेटिक राइफल एके ४७ के निर्माता का नाम जिनका रूस में निधन हो गया?
अ.मिखाइल तिमाफेयविच।
ब.एलेक्जेंडर डीलारे।
स.बोरेस मिखाइल।
द.फिलिप डीलारे।

उ.१.अ, २.स।

ॐ मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त ॐ

प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी-

मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त के अनुसार जैसा सोचेंगे वैसा आप करेंगे , यदि कोई व्यक्ति ये कहे कि मेरा मन वहुत अशांत सा लग रहा है, लेकिन जव उस व्यक्ति से ये पूछेगें कि आपको कैसा लग रहा है? और जव आप उससे उसका कारण पूछेंगे कि आप कैसा महशूस कर रहे हो?तो वो उसका कारण नही वता पायेगा और इतना ही कहेगा कि कारण तो मालूम नही है लेकिन ये है कि मै वहुत अशांत सा महशूस कर रहा हूँ, जव आप उससे कोई और प्रश्न पूछेंगे तो ये पता चलेगा कि वो कुछ ऐसी वात को लेकर सोंच रहा है जो कि है ही अशांत करने वाली इसका तात्पर्य ये है कि जैसा हम सोंचते हैं वैसा ही घटित होता है।

ज्योतिष :- जानें क्या कहते हैं इस सप्ताह आपके सितारे।

पं.गोपाल तिवारी

मेष — इस सप्ताह आपकी इच्छा की पूर्ति होने की संभावना वहुत ही प्रवल होगी लेकिन किसी भी कार्य को वहुत ही सोंच विचार कर ही करेगें तो सफलता निश्चित है।

वृषभ — आप वेवजह की संकाये मन मे विठाये हुये हैं जिसकी कोई चिन्ता करने की वात नही है यदि आप खुद पे भरोसा करना सीख ले तो सारी समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

मिथुन — इस सप्ताह में कुछ धन हानि हो ऐसा प्रतीत होता है लेकिन यदि कुछ शतर्कता के साथ रहेंगें तो इससे भी वचा जा सकता है।

कर्क — इस सप्ताह आप अपनों के द्वारा प्रताणित हो सकते हैं आपकी राशि गृह गोचर में कुछ उथल पुथल कर सकते हैं, ईश्वर को ध्यान करें।

सिंह — इस सप्ताह इस राशि के जातकों में कुछ खिन्नता सी वनी रहेगी लेकिन इसमे चिन्ता करने की कोई वात नही है वस थोड़ा संभल कर रहें।

कन्या — ये सप्ताह आपके लिये खुशियों भरा गुजरेगा आप जिस कार्य के लिये निकलेगें उसमे सफलता ही प्राप्त होगी गनपति का ध्यान अवश्य करके निकलें।

तुला — आप कुछ ज्यादा ही अपने कार्यो को लेकर उत्साहित है लेकिन ज्यादा उत्साह भी कभी नुक्सान का करण वन सकता है अतः ज्यादा उत्साहित न हो।

वृश्चिक — इस राशि वाले जातक अपने कार्य क्षमता के मुताविक ही कार्य करें आपका स्वास्थ अनकूल नही है आपको सलाह दी जाती है की अपने स्वास्थ का खयाल रखें।

मकर — ये वक्त आपके प्रणय संवन्धों में काफी खुशहाली लायेगा जो भी कार्य अभी तक आपके रूके हुये थे उसमें गतिआयेगी हो सकता है वो पूर्ण भी हो जायें।

धनु — इस सप्ताह धनु राशि के जातक अपनी कार्यशैली पर विशेष ध्यान रखें वरना आर्थिक व शारीरिक कष्ट भोगने पड़ सकते है शनि की उपासना करें।

कुंभ — इस सप्ताह आपकी आमदनी मे इजाफा होने की व आपकी तरक्की की संभावना भी दिखायी दे रही है अतः कोई ऐसा कार्य न करें कि जिससे कोई वाधा उत्पन्न हो।

मीन — इस सप्ताह आपको सलाह दी जाती है कि किसी भी व्यक्ति के साथ वेवजह उलझें नही अन्यथा उसका दुष्परिणाम भी हो सकता है अपनी जुवान पर कावू रखें

पेज नं.३ और पेज नं.६ मे जो भी कॉलम दिये गये हैं उनमे आप भी अपने विचार या अपनी कोई शिकायत,सुझाव या तकलीफ अभिव्यक्त कर सकते हैं या भ्रष्टाचार व अपराध से जुड़ी कोई जानकारी है तो आप निसंदेह हमसे साझा कर सकते है ऐसी किसी भी जानकारी देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा व उसे पूरी ताकत के साथ उजागर भी किया जायेगा आओ मिलकर भ्रष्टाचार व अपराध मुक्त भारत के निर्माण के लिये संकल्प करें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को हमारी तरह कष्ट न झेलना पड़े, आओ सबल भारत समृद्व भारत के अभियान का हिस्सा बने, इसके लिये शाघ्रि ही सदस्यता ग्रहण करें।

आवश्यक सूचना

इसके लिये एक पासपोर्ट साइज फोटो नाम, पता व पूरा व्यौरा व लेटस्ट पेपर की ओरिजनल कटिंग के साथ भेजना अनिवार्य है **अन्यथा आपका कोई भी आर्टिकल्स स्वीकार नही किया जायेगा चुनिन्दा सामिग्री का प्रकाशन करना या न करना संपादक या प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र में ही है किसी भी विवाद के लिये संपादक या प्रबंधन जिम्मेदार न होगा ये सनद रहे।**

हमारा पता :- मानवाधिकार अभिव्यक्ति. **Date:-26.9.14**
शिव-शक्ति अपार्टमेन्ट, ३सरी मंजिल, रोड नं.१६,
वागले इस्टेट, थाने (प.) (मुम्बई) ४००६०४.
संपर्क करें:- मोबा.९६१९९७६७७७.
E-mail- manavadhikar.abhivyakti@gmail.com

अंग्रेजी अखवार पर दीपिका को क्यों गुस्सा आया?

दीपिका को गुस्सा उस वक्त आ गया जब उन्होने अपनी तस्वीर ट्विटर पर देखी, उस तस्वीर में उनकी क्लीवेज दिखाई दे रही थी जिसे केन्द्रित करते हुए उसकी क्लिप ली गयी हो ऐसा प्रतीत हुआ होगा, बस क्या था कि दीपिका आग बबूला हो गयीं और उस अंग्रेजी अकबार पर भड़क गयी जिसने उनकी ये तस्वीर शेयर की थी, यहाँ तक उस अकबार को चेलेंज कर ट्विट कर दिया "जी हाँ मैं एक नारी हूँ, मेरे पास ब्रेस्ट और क्लीवेज हैं, आपको कोई तकलीफ?"

उनका गुस्सा इतने पर भी नही थमां और उस न्यूज वेबसाईट को भी खारी-खरी लिख कर अपनी भड़ास निकाली कि "यदि नारी का सम्मान करन नही आता है तो नारी के सशक्ती करण की बाते भी मत करें, गौरतलब है कि ये सब उन्होने अपनी फिल्म "फाइडिंग फैनी" के ट्विटर अकाउंट के माध्यम से किया है। दरअसल मामला कुछ इस प्रकार है कि लगभग एक वर्ष पूर्व दीपिका पादकोण, अनीता श्रॉफ अजदानिया द्वारा डिजाईन किये गये लो कट वस्त्रों को पहनकर अपनी फिल्म "चेन्नई एक्सप्रेस" के ट्रेलर के लॉच पर पहुँची थी, इसी बीच एक दैनिक अंग्रेजी अकबार ने उनकी क्लीवेज की तस्वीरें खीचीं थी जिसे उसके द्वारा मसाला न्यूज के रूप में पाठकों और दर्शकों के बीच परोशी गई जिस तस्वीर पर बकौल दीपिका उनकी नजर अब पड़ी और फिर उनका भड़कना लाज़मी था।

इस विवाद में उनकी साथी अभिनेत्रियाँ उनके समर्थन में आ खड़ी हुई हैं, साथ डेढ़ हाजर लोगों ने भी अपनी नराजगी दर्ज कराई।

नीतू फैशन के चक्कर में बनी मजाक की पात्र !

मुम्बई साउथ इंडियन इंटरनेशनल अवार्ड के कार्य क्रम में नीतू चन्द्रा को फैशन इतना भारी पड़ा कि वो कुछ अलग हट कर दिखने के चक्कर में उन्होने जो ड्रेस डाली वो उनकी मजाक का शबब बन कर रह गया, बात कुछ यू है कि नीतू ने जो आउटफिट्स पहना था वो कुछ ज्यादा ही पारदर्शी था जिसके चलते वो मजाक की पात्र बन गयी यही नही नीतू की तरह और भी अभिनेत्रियाँ हँसी की पात्र बन चुकी हैं।

बात यही नहीं है कि इन अभिनेत्रियों ने ऐसे तंग कपड़े पहने ही क्यों दरअसल इन दिनों "फाइडिंग फैनी" की अभिनेत्री ने ये चर्चा का विषय बनाया है कि एक निजी अकबार ने भी कुछ इस तरह की फोटो अपने वेबसाइट पर डाल दी जिसपे उनकी जब नजर पड़ी तो उन्होने हाय तौबा मचा डाला लेकिन इसका सारा का सारा सार ये है कि पहले आप अपने ग्लैमरस को लेकर इतने उत्सुक ही क्यों रहतें है जो भारतीय नारी को अपमानित सा महशूस कराता है ?

-मानवाधिकार अभिव्यक्ति

एक नजर में

रानी 'मर्दानी' लुक में!

रानी मुखर्जी के चाहने वाले, उनको मर्दानी लुक में काफी पसन्द कर रहे हैं,रानी की नई फिल्म 'मर्दानी' इन दिनों राज्य सरकारों के सौगात से सराबोर, टैक्स फ्री करने की मची होड़।

विद्या बालन नेत्रहीनों के बीच!

विद्या बालन नेत्रहीनों के बीच उनके कार्यक्रम में शामिल हुई, विद्या बालन को उनकी फिल्म 'बॉबी जासूश' के बाद उन्हे नेत्रहीनों के कार्यक्रम में देखा गया।

नर्गिस फ़ाखरी की बाजर गर्म!

इन दिनों नर्गिस फाखरी की भी बाजार गर्म है, वो एक कामर्शियल ब्रॉण्ड के प्रमोशन में व्यस्त देख गयी, वो फिल्म 'रॉकस्टार' में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखा चुकी हैं।

चर्चा में अभिनेता अनिल कपूर!

इन दिनों अभिनेता इरफान खान, मशहूर लेखक चेतन भगत और अभिनेता अनिल कपूर एक कामर्शियल ब्रॉण्ड के प्रमोशन को लेकर काफी चर्चा में है।

फिल्म 'लंच बॉक्स' की डीवीडी रिलीज

फिल्म 'लंच बॉक्स' की डी वी डी रिलीज के मौके पर फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दकी और इरफ़ान खान के साथ-साथ अभिनेत्री निमरत कौर भी शामिल हुई।

वीना ने जन्मा बेटा

पाकिस्तानी व बॉलीवुड अदाकारा वीना मलिक ने VIRGINA हॉस्पीटल वॉशिंगटन डी सी में बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम अवराम रखा है १७ ऑक्टोवर को उनकी बॉलीवुड फिल्म 'मुम्बई 125 km" रिलीज होने वाली है।

अनुदान दाता अपना अनुदान संस्था के SBI अकाउंट नं. ३४००५५३५८९२ पर दे सकते हैं इसके लिये संस्था आपकी आभारी रहेगी।

स्वात्वाधिकारी
मनवाधिकार अभिव्यक्ति के स्वामी
श्री रवि जी. निगम
एवं
मुद्रक व प्रकाशक
श्रमिक उत्थान एंव सामाजिक कल्याणकारी असोसिएशन
के लिये
श्री रवि जी. निगम द्वारा
महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लि. आर - 631, टी. टी. सी. इन्डस्ट्रियल एरिया, एम आई डी सी रावाले, नवी मुम्बई से मुद्रित एवं ३०३, शिव-शक्ति अपा.,रोड नं. १६वागले इस्टेट, ठाणे (W) (मुम्बई) ४००६०४ से प्रकाशित.

संपादक:- रवि जी. निगम
मोबा. ९६१९९७६७७७.
web site:-
manvadhikarabhivyakti.webs.com
E-mail:-
manvadhikar.abhivyakti@gmail.com

Reg-MAHHIN09305/1/13/2014-TC

डाक पंजी. सं.

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी. आर. वी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी, समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के आधीन ही होंगे.